7.5.25 पत्रावली पेशी में ली गई। उभयपक्ष उपस्थित। सुना गया। मुताबिक वादपत्र डिक्री किये जाने का निवेदन किया गया। वादपत्र स्वीकार कर डिक्री किया जाता है। विस्तृत निर्णय अलग से लिखवाया जाकर खुले इजलास सुनाया गया। पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली नंबर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर की जाती है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Mangi Lal
Date: 2025.05.26 16:03:59 IST
Reason: SelfAttested

सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़